केंद्रीय मंत्री ने अड़की में किया मोती की खेती का शुभारंभ

स्वदेश संवादाता

खूंटी : केंद्रीय मंत्री, जनजातीय मामले के मंत्री अर्जुन मुंडा ने सोमवार को अड़की प्रखण्ड में वन धन विकास योजना के तहत मोती की खेती का उद्घाटन किया। इस दौरान पूर्व लोकसभा उपाध्यक्ष पद्मभूषण कड़िया मुंडा, उपायुक्त शशि रंजन, उप विकास आयुक्त अरूण कुमार सिंह, अनुमण्डल पदाधिकारी सैयद रियाज अहमद सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में सखी मण्डल की दीदियों ने पारम्परिक रूप से मुख्य और अन्य अतिथियों का स्वागत किया।

मौके पर केंद्रीय मंत्री मुंडा ने कहा कि मोती की खेती की एक अनूठी पहल निश्चित ही रोजगार सृजन के नए द्वारा खोलेगी। उन्होंने कहा कि वन धन विकास योजना का उद्देश्य है कि जनजातियों के समग्र विकास को सुनिश्चित कराया जाय। उन्होंने कहा कि आदिवासी पहल के लिए तकनीक के तहत बुद्धन सिंह पूर्ति को मास्टर ट्रेनर के रूप में मार्गदर्शन और इनकी क्षमता का उपयोग किया जाएगा। आत्मनिर्भर आदिवासी उद्यमियों में एक्वा संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए अधिक से अधिक आदिवासी एसएचजी के साथ ज्ञान साझा करने के लिए प्रौद्योगिकी और तकनीकों का हस्तांतरण करेंगे।

उन्होंने कहा कि सीपों का प्रजनन और मोतियों का विकास एक स्थायी व्यवसाय है और उन जनजातीय संग्रहकताओं द्वारा आसानी से अनुकरण किया जा सकता है, जिनके पास जल निकाय तक पहुंच है। ट्राइफेड ने शुरू में उनकी पहचान कर के मछली पालन में शामिल उन वीडीवीके समूहों को संभालने की योजना बनाई है और उन्हें सीप के प्रजनन को और विकसित करने में मदद की है। अर्जुन मुंडा ने कहा कि हमारी सरकार का ध्यान आदिवासी उद्यमिता को बढ़ावा देने, आदिवासियों के समावेशी और संतुलित विकास को बढ़ाने पर केंद्रित है। उन्होंने बताया कि ट्राइफेड, आदिवासियों के सशक्तीकरण के लिए काम करने वाली नोडल एजेंसी के रूप में जनजातीय लोगों के जीवन और आजीविका को बेहतर बनाने के नए तरीके खोजने के अपने प्रयासों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए आगे आयें : कड़िया मुंडा

मौके पर पूर्व लोकसभा उपाध्यक्ष कड़िया मुंडा ने कहा कि जनजातीय समुदाय के जल, जंगल व जमीन तथा उनकी परंपरा व संस्कृति को बनाये रखने के लिए समाज को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि झारखंड की संस्कृति, अस्मिता एवं पहचान को राजनीतिक धरातल पर उतारने का काम किया जा रहा है। वन धन विकास की ये योजनाएं हमारे खूंटी जिले को गौरवान्वित करती है। आशा है कि हमारे किसान प्रशिक्षित होकर कौशल विकास की ओर बढ़ेंगे। साथ ही किसानों के आय वृद्धि होगी जिससे ग्राम का विकास सम्भव हो सकेगा।

सतत विकास और आजीविका संवर्धन की दिशा में हो रहे कार्य : शशि रंजन

उपायुक्त ने कहा कि खूंटी जिले के लिए यह हर्ष का विषय है कि एक सफल प्रयास के रूप में मोती की खेती की जा रही है। इससे जनजातीय विकास की नई दिशा प्रशस्त होगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों को अपने हक व अधिकार के प्रति जागरुक होकर गांव व समाज के विकास के लिए कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव में योजनाओं से वंचित न रहें। अब आवश्यकता है कि हर व्यक्ति जागरूक बने। स्वागत भाषण में ट्राइफेड के रिजनल मैनेजर एसके राजू ने कहा कि ट्राइफेड आदिवासियों के सशक्तीकरण के लिए कई उल्लेखनीय कार्यक्रमों को लागू कर रहा है। विशेष रूप से कई उपलब्धियां ध्यान देने योग्य हैं। पिछले कुछ वर्षों में न्यूनतम समर्थन मूल्य के माध्यम से लघु वनोपज के विपणन के लिए तंत्र और एमएफपी के लिए मूल्य श्रृंखला के विकास ने जनजातीय पारिस्थितिकी तंत्र को बड़े पैमाने पर प्रभावित किया है।